हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

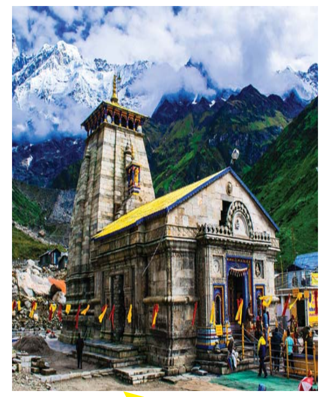

वर्षः5 अंकः06 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, शुक्रवार, 09 जनवरी 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने की देहरादून विकास कार्यों की समीक्षा, समन्वय, समयबद्धता और सख्ती के निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरवार को राजपुर रोड स्थित वन मुख्यालय के मंथन सभागार में देहरादून जनपद में संचालित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में आपसी समन्वय, समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों के निर्माण के दौरान बिजली, पानी, गैस सहित सभी भूमिगत लाइनों से जुड़े कार्य संबंधित विभाग आपसी तालमेल के साथ एक ही समय में पूरे करें, ताकि बार-बार खुदाई से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जिलाधिकारी देहरादून को निर्देश दिए कि वर्षभर में प्रस्तावित सभी कार्यों की सूची बनाकर ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए और समयसीमा तय कर उसी के अनुरूप अनुमति दी जाए। इसके साथ ही आंतरिक सड़कों के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

दस्तावेज सत्यापन और अतिक्रमण पर सख्ती

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर, बिजली बिल सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों के नियमित सत्यापन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गलत तरीके से दस्तावेज बनवाए हैं, उनके दस्तावेज निरस्त किए जाएं और गलत प्रमाण पत्र जारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही जिला प्रशासन, वन विभाग, एमडीडीए और नगर निगम को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी रखने के निर्देश दिए गए।

विकास के साथ नवाचार पर फोकस

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों को नियमित कार्यों के साथ नवाचार आधारित विकास कार्यों को प्राथमिकता देने को कहा।

उन्होंने बताया कि सड़कों और कॉरिडोर के विस्तार से देहरादून की कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है, जिससे पर्यटन और आमजन की आवाजाही बढ़ेगी। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए योजनाओं को और गति देने तथा जनप्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श कर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

जन समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से मौके पर ही समस्याओं के समाधान पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग योजनाओं की पात्रता में आते हैं, उन्हें लाभ अवश्य मिले।

शीतकाल को ध्यान में रखते हुए महिलाओं और बुजुर्गों के प्रति विशेष संवेदनशीलता बरतने, रैन बसेरों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और प्रमुख चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस और यातायात व्यवस्था पर निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने पुलिस को यातायात प्रबंधन सुदृढ़ करने, रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने, नशा मुक्ति अभियान के तहत नियमित जागरूकता और रैंडम चेकिंग के निर्देश भी दिए।

प्रभारी मंत्री सुबोध उनियाल

कैबिनेट मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, प्राथमिकता तय कर योजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करें। उन्होंने साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए और अधिक ठोस प्रयासों की आवश्यकता बताई।

जिलाधिकारी ने रखी प्रगति रिपोर्ट

जिलाधिकारी सविन बंसल ने जनपद में संचालित विकास कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समान नागरिक संहिता के अंतर्गत जिले में अब तक 61 हजार पंजीकरण हो चुके हैं। सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज 7,662 शिकायतों में से 6,480 का निस्तारण किया जा चुका है।

जनपद में 3,58,536 राशन कार्डों में से 2,81,366 का सत्यापन कर 5,590 कार्ड निरस्त किए गए हैं। वहीं 12,06,960 आयुष्मान कार्डों में से 1,36,676 का सत्यापन कर 9,428 कार्ड निरस्त किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जिले में कुल 57 हेक्टेयर अतिक्रमित भूमि में से 47 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है।

प्रमुख परियोजनाएं और उपलब्धियां

जिलाधिकारी ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के चार प्रमुख प्रोजेक्ट, रिस्पना और बिंदाल एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजनाएं प्रगति पर हैं। पांवटा साहिब-बल्लूपुर फ्लाईओवर अंतिम चरण में है और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से जुड़ने वाली चार लेन ग्रीनफील्ड सड़क का निर्माण जारी है।

जिला चिकित्सालय गांधी शताब्दी में मॉडल टीकाकरण केंद्र, रक्त गरुड़ वाहन सेवा और 12 बेड का एसएनसीयू स्थापित किया गया है। प्रोजेक्ट उत्कर्ष के तहत सरकारी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएं और खेल सामग्री उपलब्ध कराई गई हैं।

बाल भिक्षावृत्ति निवारण अभियान के तहत 267 बच्चों का रेस्क्यू कर 154 को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। नंदा-सुनंदा योजना के अंतर्गत 93 बालिकाओं को 33 लाख रुपये की सहायता दी गई है। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों का चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण किया गया है तथा परेड ग्राउंड, तिब्बती मार्केट और दून अस्पताल में ऑटोमेटिक पार्किंग का निर्माण किया गया है।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, विनोद चमोली, उमेश शर्मा काऊ, सविता कपूर, बृज भूषण गैरोला, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, मेयर ऋषिकेश शंभू पासवान, एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी, मुख्य नगर आयुक्त नामामि बंसल, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, डीएफओ अमित कंवर, सीएमओ एमके शर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, एसडीएम हरि गिरी, एसएलईओ स्मृता प्रमार, एसडीएम कुमकुम जोशी, परियोजना निदेशक डीआरडीए विक्रम सिंह सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टार्टअप और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह निर्माता: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप के प्रतिनिधियों के साथ गोलमेज बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि वे भारत के भविष्य के सह निर्माता हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि यह बैठक श्री मोदी के आवास पर हुई। बैठक में अगले महीने देश में होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पूर्व 'एआई फॉर ऑल: ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज' के लिए चयनित 12 भारतीय एआई स्टार्टअप ने भाग लिया तथा अपने विचारों के साथ प्रस्तुति दी। ये स्टार्टअप कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भाषा फाउंडेशन मॉडल, बहुभाषी एलएलएम, स्पीच-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-ऑडियो और टेक्स्ट-टू-वीडियो, ई-कॉमर्स, मार्केटिंग और वैयक्तिकृत सामग्री निर्माण के लिए जनरेटिव एआई का उपयोग करके 3डी सामग्री, इंजीनियरिंग सिमुलेशन, सामग्री अनुसंधान और विभिन्न उद्योगों में डेटा-संचालित निर्णय लेने के लिए उन्नत एनालिटिक्स, स्वास्थ्य देखभाल निदान और चिकित्सा अनुसंधान आदि शामिल हैं।

एआई स्टार्टअप ने भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने की मजबूत प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने एआई क्षेत्र की तीव्र वृद्धि और

अपार भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एआई नवाचार का केंद्र अब भारत की ओर स्थानांतरित हो रहा है। स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने कहा कि भारत में अब एआई विकास के लिए मजबूत और अनुकूल माहौल है जिससे देश वैश्विक एआई मानचित्र पर मजबूती से स्थापित हो गया है।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने समाज में परिवर्तन लाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत अगले महीने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करेगा, जिसके माध्यम से देश प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाकर परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि स्टार्टअप और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं और देश में नवाचार तथा बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, दोनों की अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया के सामने एक ऐसा अनूठा एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए, जो 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' की भावना को दर्शाता हो।

श्री मोदी ने कहा कि भारत पर दुनिया का विश्वास ही देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष, पारदर्शी और डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित हों। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप को विश्व में अग्रणी बनने की दिशा में भी काम करना चाहिए और विश्व स्तर पर किफायती एआई, समावेशी एआई और मितव्ययी नवाचार को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल अलग होने चाहिए तथा स्थानीय एवं स्वदेशी सामग्री और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए।

ममता ने छापेमारी में डाली बाधा, सबूत किये जब्त: ईडी

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अनूप माझी और अन्य से जुड़े हवाला कारोबार के मामले में ईडी की कार्रवाई में बाधा डालने और सबूत जब्त करने का आरोप लगाया है।

ईडी ने गुरवार को कहा कि वह अनूप माझी और अन्य से जुड़े हवाला कारोबार रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) मामले में कोलकाता में छापेमारी कर रही थी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के आने तक यह कार्रवाई शांतिपूर्वक और पेशेवर तरीके से चल रही थी। इसी दौरान सुश्री बनर्जी काफी संख्या में पुलिस अधिकारियों के साथ प्रतीक जैन के आवासीय परिसर में घुस गयीं और भौतिक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सहित अहम सबूत हटा दिये।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का काफिला फिर भारतीय राजनीतिक कार्रवाई समिति (आई-पीएसी) के ऑफिस पहुंचा, जहां से सुश्री बनर्जी, उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस कर्मियों ने जबरन अतिरिक्त डॉक्यूमेंट और इलेक्ट्रॉनिक सबूत हटा दिये। ईडी का मामला 2020 में दर्ज केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी (एफआईआर) पर आधारित है। जांच के दौरान एजेंसी ने दावा किया कि उसने अनूप माझी के नेतृत्व वाले एक कोयला तस्करी सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है, जिसने कथित तौर पर पश्चिम बंगाल में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के लीज वाले इलाकों से कोयला चुराया।

ईडी के मुताबिक बाद में कोयला बांकुरा, बर्धमान, पुरुलिया और दूसरे ज़िलों की फ़ैक्टरियों और संयंत्रों को बेचा गया।

ईडी ने कहा, ' जांच में पता चला कि अवैध रूप से निकाले गये कोयले का एक बड़ा हिस्सा शाकंभरी ग्रुप ऑफ़ कंपनियों को बेचा गया था। हवाला कारोबार करने वालों से भी लिंक का पता चला, और कई सबूतों (जिसमें अलग-अलग लोगों के बयान शामिल हैं) ने हवाला कारोबार से जुड़ाव की पुष्टि की। एक अधिकारी ने बताया कि कोयला तस्करी के अपराध से मिले पैसे को ठिकाने लगाने में शामिल एक हवाला ऑपरेटर ने आई-पैक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड को करोड़ों रुपये के लेन-देन में मदद की।

डीएवी विद्यालयों के राष्ट्रीय खेलों के महाकुम्भ में खिलाड़ियों ने किया अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

डीएवी प्रबन्धकर्तृ समिति, नई दिल्ली द्वारा हरिद्वार के वंदना कटारिया स्टेडियम, हरिद्वार स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में डीएवी के बच्चों के लिए तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। देश के 18 राज्यों से आए 4000 बच्चों ने खेलों का खूब आनंद उठाया। विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किये गए।

योगा टीम इवेंट- अंडर-19 में पश्चिम बंगाल और मणिपुर की टीम ने गोल्ड, हरियाणा की टीम ने सिल्वर और बिहार और सिक्किम की टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। अंडर-17 में पश्चिम बंगाल और मणिपुर ने गोल्ड, हरियाणा ने सिल्वर और दिल्ली की टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। अंडर-14 में बिहार और सिक्किम की टीम ने गोल्ड, पश्चिम बंगाल की टीम ने सिल्वर, और उत्तराखंड की टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। इंडिविजुअल इवेंट केटेगरी में अंडर-14 में पंजाब के सुखजीत सिंह ने गोल्ड, गुजरात और महाराष्ट्र के आदित्य सचिन हंडोरे ने सिल्वर और झारखंड के उत्सव आनंद ने ब्रॉन्ज जीतकर का अपने स्कूल का नाम रोशन किया। अंडर-17 में गुजरात और महाराष्ट्र के देव सुनील कुमार ने गोल्ड, पश्चिम बंगाल के अरित्रा चक्रवर्ती ने सिल्वर और उत्तर प्रदेश से सार्थक सैनी ने ब्रॉन्ज जीता। अंडर-19 में पश्चिम बंगाल के कौस्तव बनर्जी ने गोल्ड, गुजरात के तेज यज्ञेश पटेल ने सिल्वर और दिल्ली के अतीक्ष कुमार ने ब्रॉन्ज पर कब्जा किया।

रोप स्किपिंग के परिणाम

अंडर-14 रोप स्किपिंग के फाइनल व्यक्तिगत श्रेणी में स्पीड हॉप में हिमाचल प्रदेश के कार्तिक ने, स्पीड स्प्रिंट में झारखंड के अनिकेत कुमार ने, स्पीड एंड्यूरेंस में हि0प्र0 के ही नवदीप सिंह ने, और फ्रीस्टाइल में दिल्ली के यश राठौर ने गोल्ड कब्जाया। स्पीड हॉप में पंजाब के अर्चित गोयल ने, स्पीड स्प्रिंट में पंजाब के ही दक्षप्रीत सिंह ने, स्पीड एंड्युरेंस में झारखंड के आदित्य कुमार ने, और फ्रीस्टाइल में झारखंड के ही शुभम तिर्की ने सिल्वर कब्जाया। स्पीड हॉप में चंडीगढ़ के विराज राणा ने, स्पीड स्प्रिंट में म0प्र0 के दिव्यांश कुमार ने, स्पीड एंड्युरेंस में पंजाब के लक्षिव ने, और फ्रीस्टाइल में पश्चिम बंगाल के अनिमेश शर्मा ने कांस्य कब्जाया। अंडर-17 रोप स्किपिंग के फाइनल व्यक्तिगत श्रेणी में स्पीड हॉप में हिमाचल प्रदेश के ध्रुव शर्मा ने, स्पीड स्प्रिंट में उ0प्र0 के शिवांश रोथान ने, स्पीड एंड्युरेंस में हि0प्र0 के शौर्य पटेल ने, और फ्रीस्टाइल में दिल्ली के सागर शर्मा ने गोल्ड कब्जाया। स्पीड हॉप में यू0पी0 के पूर्व साहू ने, स्पीड स्प्रिंट में दिल्ली के संयम ने, स्पीड एंड्यूरेंस में पंजाब के अर्जुन जैन ने, और फ्रीस्टाइल में झारखंड के ही मौ0 अरहान अहमद ने सिल्वर कब्जाया। स्पीड हॉप में हरियाणा के प्रनील सोनी ने, स्पीड स्प्रिंट में झारखण्ड के मयंक राज ने, स्पीड एंड्यूरेंस में झारखंड के सिद्धांत सिंह सेंगर ने, और फ्रीस्टाइल में हरियाणा के हितेश सिंह ने कांस्य कब्जाया। अंडर-19 रोप स्किपिंग के फाइनल व्यक्तिगत श्रेणी में स्पीड हॉप में हरियाणा के विवेक ने, स्पीड स्प्रिंट में झारखण्ड के उज्ज्वल ने, स्पीड एंड्यूरेंस में झारखण्ड के कौशल कुमार महतो ने, और फ्रीस्टाइल में हरियाणा के शुभम ने गोल्ड कब्जाया। स्पीड हॉप में झारखण्ड के आयुष ने, स्पीड स्प्रिंट में यू0पी0 के वेदांश वेदव्यास दुबे ने, स्पीड एंड्यूरेंस में हरियाणा के यश प्रताप ने, और फ्रीस्टाइल में पंजाब के गुरु कीरत सिंह हुंडल ने सिल्वर कब्जाया। स्पीड हॉप में म0प्र0 के आर्यन निर्मल ने, स्पीड स्प्रिंट में दिल्ली के सोनू चौहान ने, स्पीड एंड्यूरेंस में दिल्ली के तुषार ने, और फ्रीस्टाइल में झारखण्ड के विवेक कुमार ने कांस्य कब्जाया। रोप स्किपिंग टीम-अंडर-14, स्पीड डबल अंडर रिले में पंजाब को गोल्ड, दिल्ली को सिल्वर और हरियाणा को कांस्य पदक मिले। डबल डच स्पीड रिले में पंजाब ने गोल्ड कब्जाया। सिंगल रोप पेयर फ्रीस्टाइल में पश्चिम बंगाल को गोल्ड, हि0प्र0 को सिल्वर और हरियाणा को कांस्य पदक मिले। सिंगल रोप टीम फ्री स्टाइल में यू0पी0 को गोल्ड और झारखण्ड को सिल्वर पदक मिला। डबल डच सिंगल फ्री स्टाइल में दिल्ली ने स्वर्ण जीता। डबल डच पेयर फ्री स्टाइल में पश्चिम बंगाल को स्वर्ण पदक मिला। डबल डच पेयर स्पीड में यू0पी0 को गोल्ड, दिल्ली को सिल्वर और हि0प्र0 को ब्रॉन्ज मिला। रोप स्किपिंग टीम-अंडर-17, स्पीड डबल अंडर रिले में दिल्ली को गोल्ड, झारखण्ड को सिल्वर औ...

राष्ट्रीय खेलों में डीएवी उत्तराखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, जीते स्वर्ण-रजत पदक

पथ प्रवाह, दीपक चौहान

डीएवी प्रबन्धकर्तृ समिति, नई दिल्ली के तत्वाधान में हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के तमाम डीएवी के खिलाड़ियों का दमदार और शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर खेल प्रतिभा को प्रदर्शित किया।

हरिद्वार के वंदना कटारिया स्टेडियम एवं हरिद्वार स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित डीएवी विद्यालयों के राष्ट्रीय खेल महाकुम्भ में भारत के 18 राज्यों से आए लगभग 4000 खिलाड़ियों के बीच उत्तराखंड की टीमों ने विभिन्न खेलों में पदक जीतकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

योगा प्रतियोगिताओं में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने विशेष छाप छोड़ी। अंडर-14 योगा टीम इवेंट में उत्तराखंड की टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं अंडर-14 योगा फाइनल में बिहार और सिक्किम के साथ मुकाबले में उत्तराखंड ने ब्रांज मेडल हासिल कर सराहना बटोरी। योगा में राज्य के खिलाड़ियों की तकनीक और अनुशासन दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

बैडमिंटन में भी उत्तराखंड का प्रदर्शन सराहनीय रहा। बैडमिंटन अंडर-14 इंडिविजुअल फाइनल में उत्तराखंड के तनिष्क अरोड़ा ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं अंडर-14 टीम चैंपियनशिप में उत्तराखंड की टीम ने रजत पदक जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया। अंडर-19 हैंडबॉल में भी उत्तराखंड की टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

क्रिकेट स्पर्धाओं में उत्तराखंड की टीमों ने कड़ा संघर्ष किया। अंडर-17 क्रिकेट में उत्तराखंड ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि अंडर-19 क्रिकेट में भी टीम ने रजत पदक जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया। यह उपलब्धि राज्य में उभरती क्रिकेट प्रतिभा का प्रमाण मानी जा रही है।

जूडो प्रतियोगिताओं में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने पदकों की झड़ी लगा दी। अंडर-14 में श्रेयांश चमोला, अभिषेक राणा सहित कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। अंडर-17 और अंडर-19 जूडो स्पर्धाओं में भी उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज पदक जीतकर राज्य का परचम लहराया।

शतरंज अंडर-17 के फाइनल में उत्तराखंड ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं स्क्वैश, हैंडबॉल और अन्य खेलों में भी उत्तराखंड की टीमों ने दमदार खेल दिखाते हुए कई मुकाबलों में पोडियम पर स्थान बनाया।

खेलों के समापन अवसर पर सभी विजेता खिलाड़ियों को विशिष्ट अतिथियों द्वारा मेडल और ट्रॉफी प्रदान की गई। उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड की क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. अल्पना शर्मा ने उत्तराखंड के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि राज्य के छात्र-खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में उत्तराखंड खेलों के क्षेत्र में और नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी डीएवी परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता और करीब 15 दिनों की मेहनत

डीएवी के राष्ट्रीय खेलों की तीन दिवसीय प्रतियोगिता के आयोजन को सफल बनाने के लिए स्कूल प्रबंधन ने करीब 15 दिनों तक दिन रात मेहनत की। खेल मैदान के चयन से लेकर सुरक्षा और व्यवस्था के व्यापक प्रबंध किए गए। खेल मैदान पर चिकित्सा सुविधा के अलावा खिलाड़ियों की हर छोटी बड़ी जरूरतों का ध्यान रखा गया। डीएवी सेंटेनरी स्कूल के प्रधानाचार्य मनोज कुमार कपिल, बीएम डीएवी की प्रधानाचार्य लीना भाटिया ने समन्वय बनाकर तमाम खेल मैदान की व्यवस्थाओं को जांचा परखा और तमाम स?मुचित प्रबंध उपलब्ध कराए। डीएवी के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं, आफिस स्टॉफ से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक खेल मैदान पर उपलब्ध रहे।

न्याय पंचायत रणसूरा में लगे शिविर में 1295 लोगों को मिला योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में विकासखंड बहादराबाद के न्याय पंचायत रणसूरा में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कासमपुर में लगे शिविर में विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित जन कल्याणकारी योजनों से 1295 क्षेत्रवासियों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के माध्यम से 20 लोगों को विभिन्न प्रमाण पत्र निर्गत किए गए। शिविर में 2176 लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

इस दौरान क्षेत्रवासियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित 70 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिनमें से 35 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष राज्य किसान आयोग अजीत सिंह चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व एवं निर्देशन में प्रदेश में पहली बार सभी न्याय पंचायतों में जन जन की सरकार जन जन के द्वार बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जा रहे है। इसमें 23 विभाग एक ही स्थान पर पहुंच कर सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ क्षेत्र वासियों को उपलब्ध करा रहे हैं। क्षेत्रवासियों की समस्याओं का घर पर ही निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज आयोजित किए गए शिविर में दो हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया है तथा लगभग 1295 लोगों को संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

35 शिकायतों को मौके पर कराया निस्तारण

मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण तथा संचालित योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। इसीक्रम में यह शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिसका लाभ क्षेत्रीय जनता को उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 70 शिकायतें दर्ज कराई गई, जिसमें विद्युत बिलों से संबंधित, भूमि विवाद, राशन, अवैध कब्जा, जाति जन्म प्रमाणपत्र आदि से संबंधित थी। जिसमें 35 का मौके पर निस्तारण किया गया, शेष समस्याओं को त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को प्रेषित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का भी निरीक्षण किया तथा उन्होंने पात्र लाभार्थियों को महालक्ष्मी कीट भी वितरित की गई।

स्वच्छता की दिलायी गई शपथ

जन जन की सरकार जन जन के द्वार बहुउद्देशीय शिविर में सीडीओ ने स्थानीय ग्रामीणों को अपने घर आंगन एवं आस पास क्षेत्र को स्वच्छ रखने के लिए स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता मनोज गौतम, सहायक परियोजना निर्देशक डीआरडीए नलिनीत घिल्डियाल, नोडल अधिकारी एवं जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल, खंड विकास अधिकारी मानस मित्तल, तहसीलदार सचिन कुमार, बंदोबस्त चकबंदी अधिकारी अनिल कुमार, नायब तहसीलदार प्रताप सिंह सहित क्षेत्र के समस्त ग्राम प्रधानगण, पंचायत सदस्यगण, अधिकारी व कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ता समाज की गरिमा, न्याय की निष्पक्षता एवं संवैधानिक मूल्यों के रक्षक: त्रिवेंद्र सिंह रावत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, हरिद्वार की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह जनपद न्यायाधीश नरेंद्र दत्त की अध्यक्षता में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में हरिद्वार सांसद एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत मुख्य अतिथि तथा प्रधान न्यायाधीश अजय चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला बार संघ हरिद्वार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जसविंदर सिंह 'मंटू', सचिव विपिन चंद्र द्विवेदी सहित समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों का सम्मान कर उनके सफल कार्यकाल की कामना की गई।

मुख्य अतिथि त्रिवेंद्र सिंह रावत ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अधिवक्ता समाज लोकतंत्र की रीढ़ है, जो न्याय की निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ अधिवक्ता हितों की रक्षा करेगी तथा न्याय व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगी।

समारोह में नगर विधायक मदन कौशिक, रानीपुर विधायक आदेश चौहान , विधायक प्रदीप कुमार बत्रा (रुड़की), महापौर किरण जैसल, पूर्व महापौर मनोज गर्ग, पूर्व बार काउंसिल अध्यक्ष सुभाष त्यागी, वाइस चेयरमैन कुलदीप सिंह, बार काउंसिल उत्तराखंड के सदस्य राजकुमार, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रदीप पालीवाल, उपमुख्य चुनाव अधिकारी राकेश गुप्ता सहित अन्य चुनाव अधिकारीगण, वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

एक नजर

एचआरडीए ने ज्वालापुर में अवैध निर्माण किया सील, प्लाटिंग ध्वस्त

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार रूड़की विकास प्राधिकरण की टीम शहर में अनियोजित एवं अवैध निर्माण पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में गुरुवार को प्राधिकरण की टीम ने ज्वालापुर और रुड़की क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण और अनाधिकृत प्लाटिंग पर बुलडोजर चला दिया। आर्य नगर चौक, ज्वालापुर हरिद्वार में सोंधी नर्सिंग होम के निकट विनोद कुमार द्वारा लगभग 15म30 फीट क्षेत्रफल में बेसमेंट, भूतल, प्रथम एवं द्वितीय तल तक किया जा रहा अवैध व्यवसायिक निर्माण प्राधिकरण की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर सील कर दिया गया। संबंधित निर्माण बिना मानचित्र स्वीकृति के किया जा रहा था, जिसे नियमों का उल्लंघन मानते हुए तत्काल प्रभाव से सीलिंग की कार्रवाई की गई। वहीं दूसरी ओर, सलेमपुर रुड़की में पुरानी फैक्ट्री के पास विनय सैनी एवं अन्य व्यक्तियों द्वारा लगभग 9 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अनाधिकृत प्लाटिंग को प्राधिकरण टीम (शाखा कार्यालय रुड़की) द्वारा संयुक्त सचिव तथा पुलिस बल की उपस्थिति में जेसीबी मशीन की सहायता से ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा और बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। प्राधिकरण अधिकारियों ने स्थल पर उपस्थित अनाधिकृत निर्माणकर्ताओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराए किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य न किया जाए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी अवैध निर्माण एवं अनाधिकृत प्लाटिंग के विरुद्ध इसी तरह कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

एनएचएआई ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चालकों किया सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। 37वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत हाइवे पर वाहन चालकों को जागरूक किया गया। वाहन चालकों से अपील की गई कि वह वाहन चलाते समय याताया के नियमों का पालन जरूर करें।

अधिशासी अभियंता एनएचएआई अतुल शर्मा ने बताया कि मुज़फ्फरनगर-हरिद्वार परियोजना (NH-334) पर NHIT Southern Projects Pvt. Ltd. द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 334 स्थित उत्तम शुगर मिल निकट लिब्बरहेड़ी में गन्ना ट्रैक्टर-ट्रॉली चालकों एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान हाईवे पर सुरक्षित वाहन संचालन, यातायात नियमों के पालन तथा जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार पर विशेष जोर देते हुए महत्वपूर्ण सड़क सुरक्षा दिशा निर्देशों की जानकारी दी गई। उन्होंने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में सड़क दुर्घटनाओ को रोकने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के पीछे रिफ्लेक्टिव टेप लगे लाल झंडे लगाए गए, जिससे विशेषकर रात्रि के समय वाहनों की दृश्यता बढ़ेगी और दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा सराहा गया और सुरक्षित सड़क व्यवहार को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल सिद्ध हुआ।

आरोपी उर्मिला सनावर का बड़ा बयान, बोली लंगोटिया यार

पथ प्रवाह, हरिद्वार

देहरादून से हरिद्वार लाई गई आरोपी अभिनेत्री उर्मिला सनावर से गठित विशेष जांच टीम ने करीब छह घंटे तक गहन पूछताछ की। पूछताछ के बाद मीडिया से बातचीत में उर्मिला सनावर ने कहा कि एसआईटी ने उनसे जो भी सवाल पूछे, उनके सभी जवाब उन्होंने पूरी ईमानदारी और स्पष्टता के साथ दिए हैं। उनके पास जो भी जानकारियां और तथ्य उपलब्ध थे, वह उन्होंने जांच टीम के समक्ष रख दिए हैं। उर्मिला सनावर ने ऑडियो रिकॉर्डिंग प्रकरण को लेकर बताया कि संबंधित ऑडियो और उससे जुड़ी तमाम जानकारियां उन्होंने एसआईटी को सौंप दी हैं। अन्य सबूतों से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक सुरेश राठौर और भाजपा नेता दुष्यंत गौतम एक-दूसरे के बेहद करीबी, 'लंगोटिया यार' हैं और कई अहम जानकारियां उन्हीं के पास हो सकती हैं। अंकिता भंडारी प्रकरण पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए उर्मिला ने कहा कि वह स्वयं अंकिता के परिवार से मिलने जाएंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस न्याय की लड़ाई में वह अकेली नहीं हैं, बल्कि पूरा देश और वह स्वयं पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी हैं। स्वामी दर्शन भारती को लेकर पूछे गए सवाल पर उर्मिला सनावर ने कहा कि वह उनके साथ देहरादून तक जरूर आई थीं, लेकिन स्वामी ने जांच में क्या बयान दिया है, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं है। फिलहाल पुलिस और एसआईटी की जांच लगातार जारी है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से पड़ताल की जा रही है।

संपादकीय

दुनिया की लडखड़ा रही, भारत मजबूती से खड़ा

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय गंभीर अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। यूरोप में मंदी की आहट है, अमेरिका में ब्याज दरों और रोजगार को लेकर अस्थिरता बनी हुई है, जबकि युद्ध, ऊर्जा संकट और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। ऐसे कठिन वैश्विक हालात में भारत का वर्ष 2025-26 में 7.4 प्रतिशत की अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर के साथ आगे बढ़ना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि नीतिगत निरंतरता और आंतरिक स्थिरता का भी प्रमाण है।

भारत की यह विकास दर इस बात का संकेत देती है कि देश की घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। खपत, निवेश और निर्यात–तीनों क्षेत्रों में संतुलित सुधार देखने को मिल रहा है। विशेष रूप से बुनियादी ढांचे पर सरकारी निवेश, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल, बंदरगाह और डिजिटल कनेक्टिविटी में हो रहे विस्तार ने आर्थिक गतिविधियों को गति दी है। इसके साथ ही मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने वाली प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं और स्टार्टअप संस्कृति ने रोजगार और उत्पादन दोनों को प्रोत्साहित किया है। सबसे अहम पहलू प्रति व्यक्ति आय में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि आर्थिक विकास का लाभ धीरे-धीरे आम नागरिक तक पहुंच रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में आय बढ़ने, स्वरोजगार के अवसरों में इजाफा और सेवा क्षेत्र की मजबूती ने इस सकारात्मक रुझान को बल दिया है। हालांकि यह भी सच है कि महंगाई और असमान आय वितरण जैसी चुनौतियां अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं।

वैश्विक संकटों के बीच भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन पर जोर देकर भारत ने बाहरी झटकों से खुद को काफी हद तक सुरक्षित रखा है। मजबूत बैंकिंग प्रणाली और नियंत्रित वित्तीय घाटा भी आर्थिक स्थिरता में सहायक बने हैं।

फिर भी चुनौतियां शेष हैं। युवाओं के लिए पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण रोजगार सृजन, महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण और निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना सरकार के सामने प्रमुख कार्य हैं। विकास दर को बनाए रखने के लिए सुधारों की रफ्तार और नीति-निर्माण में संतुलन जरूरी होगा।

जब दुनिया आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, तब भारत का मजबूती से खड़ा रहना आशा का संकेत है। अब आवश्यकता है कि इस विकास को समावेशी और टिकाऊ बनाते हुए अंतिम व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंचाया जाए। तभी भारत की आर्थिक प्रगति वास्तव में सार्थक होगी।

वेनेजुएला पर ट्रंप की सख्ती- नया वैश्विक टकराव

सनत जैन

वेनेजुएला को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की हालिया आक्रामक कार्रवाई ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति एवं सामरिक तनाव को तेज कर दिया है। प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना, समुद्री मार्गों पर निगरानी बढ़ाना और कथित तौर पर रूस से जुड़े जहाज की जप्ती जैसे कदम केवल वेनेजुएला तक सीमित नहीं हैं। इनके दूरगामी अंतरराष्ट्रीय प्रभाव जल्द ही देखने को मिल सकते हैं। यह घटनाक्रम स्पष्ट संकेत देता है, अमेरिका, लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अपने वर्चस्व को आर्थिक एवं सामरिक दृष्टिकोण अपनाते हुए ट्रम्प कब्जा करना चाहते हैं। भले ही इसके लिए रूस और चीन के साथ सीधा टकराव लेने की ट्रंप की सोच है। अमेरिका और वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था पर जो संकट देखने को मिल रहे हैं उसके बाद यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, आने वाले दिनों में अमेरिका अपनी डॉलर मुद्रा तथा वैश्विक व्यापार के वर्चस्वको बनाए रखना चाहता है। उसके लिए ट्रंप अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं। ट्रम्प ने टेरिफ के बहाने जो नया खेल खेला था। उसमें वह असफल हो गए है। अमेरिका में मंहगाई और आर्थिक स्थिति पर इसके दुष्परिणाम दिखने लगे है। इससे बचने के लिये अब ट्रम्प ने वेनेजुएला का मुद्दा खड़ा करके अमेरिका में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहते है? वेनेजुएला लंबे समय से रूस और चीन का रणनीतिक साझेदार है। रूस ने वहां ऊर्जा, हथियार और सैन्य सहयोग किया है। जबकि चीन ने कर्ज, बुनियादी ढांचा और तेल समझौतों के जरिए अपनी गहरी पैठ बनाई है। रूस और चीन के हथियार भी वेनेजुएला में है। ऐसे में किसी रूसी जहाज की जप्ति केवल एक कानूनी या तकनीकी कार्रवाई के रूप में नहीं देखी जा सकती है। इस कार्रवाई को रूस के प्रभाव को खुली चुनौती के रूप में ही देखा जाएगा। मॉस्को ट्रंप की इस कार्रवाई को अपनी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वतंत्रता पर हमला बताकर कूटनीतिक विरोध, जवाबी प्रतिबंध या समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने जैसे कदम उठा सकता है। हालांकि रूस सीधे सैन्य टकराव से बचता हुआ दिख रहा है। समय आने पर इसकी प्रतिक्रिया बड़े रूप में हो सकती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। दुनिया के देशों में अमेरिका, विरोधी मंचों पर इस मुद्दे का जोर-शोर से उठना तय है। चीन का रुख अपेक्षाकृत संतुलित होते हुए भी व्यापारिक दृष्टिकोण से दीर्घकालिक होगा। बीजिंग आमतौर पर प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून, बहुपक्षवाद और संप्रभुता के सिद्धांतों की बात करते हुये इस समस्या के समाधान की कोशिश करेगा, ऐसी संभावना देखने को मिलती है। अमेरिका की कार्रवाई को चीन 'एकतरफा दबाव नीति' करार देकर वैश्विक मंच पर अमेरिका को अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों तथा वैश्विक व्यापार संधिकरण की नीति को लेकर अपना विरोध दर्ज करा सकता है। इसके साथ चीन वेनेजुएला में अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों, गुप्त या अप्रत्यक्ष रूप से वेनेजुएला की मदद रूस के साथ तालमेल कर ट्रंप की दादागिरी को चुनौती देने का काम कर सकता है। इस पूरे घटनाक्रम का वैश्विक प्रभाव तेल बाजारों,समुद्री व्यापार, वैश्विक व्यापार और विकासशील देशों की आर्थिक एवं विदेश नीति पर पड़ना तय है। वह देश जो अमेरिकी प्रतिबंधों से असहमत हैं। वह चीन-रूस खेमे की नीतियों की ?र झुक सकते हैं। अमेरिका समर्थक देश भी ट्रंप की इस तरह की कार्यवाही के खुले समर्थक नहीं है। इसका असर नाटो देश और यूरोपियन संगठन में भी देखने को मिल रहा है। वह ट्रंप की इन नीतियों का कितना समर्थन करेंगे, वर्तमान में कहना मुश्किल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिस तरह की नीतियां आ रही हैं। उसके बाद दुनिया एक बार फिर आर्थिक एवं सामरिक ध्रुवीकरण की ओर बढ़ती हुई दिख रही है। विकासशील देश एवं वेनेजुएला जैसे देश महाशक्तियों की रस्साकशी का मैदान बन रहे हैं। यह स्थिति वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सारी दुनिया के सामने है। अमेरिका की इस कार्रवाई से वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो आर्थिक परिवर्तन सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला था। निश्चित रूप से वह तेजी के साथ सिमटने लगेगा। जिसका दुष्प्रभाव आर्थिक मंदी के रूप में जल्द ही सामने आ सकता है। इसको लेकर तरह-तरह की वैश्विक चिंताएं सामने आने लगी हैं।

मातृभूमि से दूर बसे अपनों से भारत का सजीव संवाद

कांतिलाल मांडोत

भारत केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और साझा स्मृतियों की निरंतर धारा है। यह धारा देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि समय के साथ समुद्रों, महाद्वीपों और संस्कृतियों को पार करती हुई विश्व के कोने-कोने तक पहुँची। इसी वैश्विक विस्तार का मानवीय रूप है प्रवासी भारतीय समुदाय। इन्हीं प्रवासी भारतीयों के योगदान, संघर्ष, उपलब्धियों और भारत से उनके अटूट रिश्ते को सम्मान देने के लिए हर वर्ष नौ जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। वर्ष दो हजार पंद्रह के बाद से यह आयोजन हर दो वर्ष में एक बार बड़े सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जाने लगा है, लेकिन दिवस के रूप में इसका प्रतीकात्मक महत्व निरंतर बना हुआ है।

नौ जनवरी की तिथि का अपना ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व है। इसी दिन वर्ष उन्नीस सौ पंद्रह में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। विदेश की धरती पर रहते हुए उन्होंने सत्य और अहिंसा के प्रयोग किए, रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष किया और वहीं से एक ऐसे नेतृत्व का निर्माण हुआ, जिसने आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। गांधीजी का यह लौटना केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं थी, बल्कि यह संदेश था कि विदेश में अर्जित अनुभव, ज्ञान और संघर्ष की ऊर्जा मातृभूमि के उत्थान में कितनी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रवासी भारतीय दिवस इसी विचार का आधुनिक विस्तार है। प्रवासी भारतीय दिवस का मूल उद्देश्य भारत और विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच सेतु बनाना है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ विचारों का आदान-प्रदान होता है। प्रवासी भारतीय अपने अनुभव साझा करते हैं, भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने के नए रास्ते तलाशते हैं और भारत सरकार भी उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं तथा सुझावों को प्रत्यक्ष रूप से सुनती है। यह आयोजन यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को केवल पासपोर्ट या निवास की परिभाषा में नहीं बाँधता, बल्कि उन्हें अपनी व्यापक राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा मानता है।

वर्ष दो हजार तीन में इस सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हुई थी। उस समय यह महसूस किया गया कि विश्व भर में फैले भारतीय समुदाय ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग, व्यापार, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इन उपलब्धियों का लाभ केवल संबंधित देशों तक सीमित न रहे, बल्कि भारत की प्रगति में भी उनका समुचित योगदान सुनिश्चित हो। तभी से प्रवासी भारतीय दिवस एक संवाद, सम्मान और सहभागिता का उत्सव बन गया।

हाल के वर्षों में इस आयोजन का स्वरूप और अधिक व्यापक हुआ है। दो हजार पच्चीस में आयोजित अठारहवें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय विशेष रूप से प्रासंगिक रहा। यह विषय इस बात को रेखांकित करता है कि आने वाले वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना में प्रवासी भारतीयों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। निवेश, नवाचार, कौशल, वैश्विक संपर्क और सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से प्रवासी भारतीय भारत के विकास लक्ष्य को गति दे सकते हैं। इस सम्मेलन के दौरान विशेष पर्यटक रेल सेवा का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है। इसके साथ ही ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रदर्शनों के माध्यम से उन भारतीयों की यात्रा को भी सामने लाया गया, जो कभी गुजरात के तटों से निकलकर ओमान, अफ्रीका और अन्य देशों में बसे। यह इतिहास केवल पलायन की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, परिश्रम और अनुकूलन की प्रेरक गाथा है।

प्रवासी भारतीय दिवस के विमर्श में गिरमिटिया मजदूरों का स्मरण विशेष महत्व रखता है। औपनिवेशिक काल में हजारों भारतीयों को अनुबंधित मजदूर के रूप में फिजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में ले जाया गया। कठिन परिस्थितियों, शोषण और अपमान के बावजूद उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा। आज उन्हीं के वंशज उन देशों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका स्मरण हमें यह सिखाता है कि भारतीय पहचान कितनी दृढ़ और जीवंत है।

प्रवासी भारतीय दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष है प्रवासी भारतीय सम्मान। यह सम्मान उन व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने विदेशों में रहते हुए भारत की छवि को सशक्त किया, स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए कार्य किया और भारत तथा अपने निवास देश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत बनाया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का नहीं, बल्कि सामूहिक गौरव का प्रतीक है।

इस आयोजन की उपयोगिता अनेक स्तरों पर दिखाई देती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो प्रवासी भारतीय निवेश, प्रेषण और व्यापार के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त करते हैं। विदेशों से आने वाला धन केवल परिवारों की आजीविका ही नहीं सुधारता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्यमिता को भी बढ़ावा देता है। बौद्धिक स्तर पर प्रवासी भारतीय अपने ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के अनुभव भारत के साथ साझा करते हैं, जिससे देश में नई सोच और तकनीक का प्रवेश होता है। सांस्कृतिक दृष्टि से प्रवासी भारतीय दिवस भारत की नरम शक्ति को मजबूत करता है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, नृत्य और त्योहारों के माध्यम से भारतीय संस्कृति विश्व में सम्मान प्राप्त कर रही है।

विकसित भारत के सारथी: प्रवासी भारतीय और 2047 का संकल्प

सुनील कुमार महला

हर साल 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। इसे एन आर आई दिवस(नोन-रेजिडेंट इंडियन डे) भी कहा जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि इस दिन को इसलिए चुना गया था, क्योंकि 9 जनवरी 1915 को महात्मा गाँधी दक्षिण अफ़्रीका से भारत वापस आए थे, और भारत की आज़ादी की लड़ाई में उन्होंने निर्णायक भूमिका निभाई थी। यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें तो यह दिवस साल 2003 से मनाया जा रहा है, जब पहली बार भारत सरकार ने प्रवासी भारतीयों के योगदान को सम्मान देने के लिए इसे आयोजित किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स) द्वारा आयोजित होता है।प्रवासी भारतीय दिवस मनाने के मुख्य उद्देश्यों की यदि बात करें तो इसमें क्रमशः विश्व में बसे भारतीयों द्वारा भारत के विकास और समाज में दिए योगदान को सम्मानित करना, भारत और प्रवासी भारतीय समुदाय के बीच सम्बन्धों को मज़बूत करना, एक ऐसा मंच प्रदान करना जहाँ प्रवासी भारतीय अपनी राय, अनुभव और सुझाव साझा कर सकें तथा प्रवासी भारतीय सम्मान(अवार्ड) जैसे पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित करना है। गौरतलब है कि यह पुरस्कार भारत का सबसे बड़ा सम्मान है जो प्रवासी भारतीयों को दिया जाता है, जो विदेश में रहते हुए भारत और भारतीय समुदाय के लिए विशिष्ट योगदान देते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो प्रवासी भारतीय दिवस के प्राथमिक लक्ष्य भारत और विदेशों में बसे भारतीयों के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण करना है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य भारत के आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विकास में प्रवासी भारतीयों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करना है। साथ ही, यह विश्व समुदाय के बीच भारत की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ करते हुए विदेशों में भारत के प्रति बेहतर समझ विकसित करने का प्रयास करता है। प्रवासी भारतीय दिवस भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों के समर्थन को बढ़ावा देता है और विश्वभर में स्थानीय भारतीय समुदायों के कल्याण के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करता है। इसके अतिरिक्त, यह प्रवासी भारतीयों को अपनी पैतृक भूमि की सरकार और जनता से भावनात्मक व वैचारिक रूप से जुड़ने का एक प्रभावी मंच प्रदान करता है, जिससे पारस्परिक सहयोग और विश्वास और अधिक मजबूत होता है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि साल 2003 में पहला सम्मेलन नई दिल्ली में हुआ और उसके बाद अन्य शहरों में भी पारंपरिक रूप से इसका आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरुआत तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के तहत प्रवासी भारतीय समुदाय को मान्यता देने एवं उनके साथ जुड़ने हेतु एक मंच के रूप में की गई थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2015 में इसे दो साल में एक बार आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया था। दूसरे शब्दों में कहें तो प्रत्येक दो साल में 9 जनवरी को मनाया जाने वाला प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) एक उल्लेखनीय आयोजन है जिसके तहत भारतीय प्रवासियों द्वारा अपनी मातृभूमि के लिये दिये गए योगदान पर प्रकाश डाला जाता है।पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की थीम- विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान रखी गई थी तथा इसका आयोजन ओडिशा द्वारा 8 से 10 जनवरी 2025 तक किया गया था।इस साल 9 जनवरी 2026 को सांकेतिक रूप से प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाएगा, लेकिन इसके लिए यह आलेख लिखे जाने तक किसी विशेष थीम की आधिकारिक घोषणा सरकार द्वारा नहीं की गई है। बहरहाल, यदि हम यहां पर प्रवासी भारतीयों के योगदान की बात करें तो प्रवासी भारतीय विकसित भारत के निर्माण में आर्थिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक सेतु के रूप में अपना योगदान दे सकते हैं। वे न केवल भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा भेजकर अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान करते हैं, बल्कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और स्टार्टअप फंडिंग के माध्यम से नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, विदेशों में अर्जित अपने तकनीकी ज्ञान और अनुभव (ब्रेन गेन) को भारतीय उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझा करके वे कौशल विकास(स्किल डेवलपमेंट) में भी मदद कर सकते हैं। वैश्विक स्तर पर भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करने और भारतीय उत्पादों के लिए अन्तरराष्ट्रीय बाजार तैयार करने में भी उनकी भूमिका निर्णायक है। अंततः, अपनी मातृभूमि के साथ उनका भावनात्मक जुड़ाव और वैश्विक नेटवर्किंग भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की गति को तेज कर सकती है। हालांकि,प्रवासी भारतीयों से संबंधित अनेक चुनौतियां भी विद्यमान हैं।मसलन,प्रवासी भारतीयों से संबंधित चुनौतियों को संक्षेप में देखें तो प्रमुख समस्या प्रशासनिक जटिलता और कानूनी बाधाओं की है, जहाँ भारत में निवेश या संपत्ति प्रबंधन के दौरान उन्हें लालफीताशाही और लंबी कानूनी प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, कई देशों में प्रवासियों को नस्लभेद, कार्यस्थल पर असुरक्षा और कड़े वीजा नियमों जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। दूसरी ओर, भारत में दोहरी नागरिकता का प्रावधान न होना भी प्रवासियों की नई पीढ़ी को पूरी तरह जुड़ने से रोकता है। बहरहाल, यहां जानकारी देना चाहूंगा कि प्रवासी भारतीयों की सहायता और उनकी सुरक्षा के लिए भारत सरकार ने दो मुख्य डिजिटल प्लेटफॉर्म मदद पोर्टल तथा ई-माइग्रेट पोर्टल तैयार किए हैं।मदद पोर्टल की बात करें तो यह विदेश मंत्रालय की एक प्रभावी ऑनलाइन समाधान प्रणाली है, जिसका उद्देश्य विदेशों में रह रहे भारतीयों की आपातकालीन शिकायतों का निवारण करना है। यदि किसी प्रवासी भारतीय को विदेश में कानूनी समस्या, पासपोर्ट खोने, घरेलू उत्पीड़न या किसी भी प्रकार के संकट का सामना करना पड़ता है, तो वे इस पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि शिकायतों की निगरानी सीधे उच्च अधिकारियों द्वारा की जाती है और समाधान की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होती है।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे यंग लीडर्स: मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अभिनव पहल 'यंग लीडर्स डायलॉग' की सराहना करते हुए इसे देश के युवाओं को नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने वाला एक प्रभावी मंच बताया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने भारत मंडपम, नई दिल्ली में 9 से 12 जनवरी तक आयोजित होने वाले विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में प्रतिभाग के लिए चयनित युवाओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि लाखों विद्यार्थियों में से इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए चयनित होना अपने आप में गर्व का विषय है। यह केवल एक कार्यक्रम में भागीदारी का अवसर नहीं, बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास में वृद्धि और राष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का महत्वपूर्ण मंच भी है।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभागी युवाओं के साथ-साथ उनके शिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम युवाओं को देशभर के प्रतिभाशाली साथियों से सीखने और विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करते हैं, जो उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यंग लीडर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत उस दौर में खड़ा है, जहां केवल सपने नहीं देखे जाते, बल्कि उन्हें संकल्प और परिश्रम के साथ साकार किया जाता है। अंतरिक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल सहित हर क्षेत्र में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। यही कारण है कि आज देश का तिरंगा विश्वभर में गौरव के साथ लहरा रहा है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाएं और नवाचार, नेतृत्व क्षमता व उत्कृष्टता के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या, निदेशक खेल आशीष चौहान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

सीएम पुष्कर धामी की घोषणा पर अमल: स्व. अंकिता भंडारी राजकीय नर्सिंग कॉलेज डोभ (श्रीकोट) पौड़ी

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर राजकीय नर्सिंग कॉलेज डोभ (श्रीकोट) पौड़ी का नाम परिवर्तित करते हुए 'स्व. अंकिता भंडारी राजकीय नर्सिंग कॉलेज डोभ (श्रीकोट) पौड़ी' किया गया है। इस संबंध में चिकित्सा सवास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार के द्वारा गुरुवार को कार्यालय ज्ञाप जारी कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गत दिवस स्व. अंकिता के माता-पिता से भेंट कर दोहराया था कि था सरकार पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने स्व. अंकिता भंडारी के माता-पिता के द्वारा प्रस्तुत मांगों पर विधि-सम्मत, निष्पक्ष एवं त्वरित कार्यवाही का भरोसा दिलाते हुए कहा कि उन्हें न्याय दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अजीतपुर में चला वृहद स्वच्छता अभियान, ग्रामीणों ने पेश की मिसाल

पथ प्रवाह, हरिद्वार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करने और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आह्वान पर ग्राम पंचायत अजीतपुर में गुरुवार को वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष अभियान के तहत गांव की गलियों, सार्वजनिक स्थलों, नालियों और खुले क्षेत्रों में सघन सफाई की गई। अभियान में ग्रामीणों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा के पूर्व विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद के निर्देशों पर स्वच्छता अभियान को मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक संस्कार है, जिसे जनभागीदारी से ही स्थायी रूप दिया जा सकता है। उन्होंने ग्राम पंचायत अजीतपुर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए इसे अन्य गांवों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। ग्राम प्रधान प्रखर कश्यप के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी इंदु बाला की सक्रिय भूमिका रही। प्रशासनिक समन्वय से कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया। प्रधान प्रखर कश्यप ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं बहादराबाद के खंड विकास अधिकारी मानस मित्तल के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि जिला प्रशासन के मार्गदर्शन से विकास और स्वच्छता योजनाएं प्रभावी रूप से धरातल पर उतर रही हैं। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने अपने गांव और परिवेश को स्वच्छ रखने की शपथ ली। कूड़ा निस्तारण, नालियों की नियमित सफाई और स्वच्छ आदतों को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। ग्राम प्रधान ने कहा कि यह अभियान केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वच्छ जीवनशैली की ओर निरंतर कदम है, जिसे प्रत्येक नागरिक को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

आपदा प्रबंधन की रीढ़ हैं डीडीएमओ, व्यवस्था को और सशक्त किया जाएगा: विनय रूहेला

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने यूएसडीएमए स्थित राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में राज्य के सभी 13 जनपदों के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों (डीडीएमओ) के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, सुदृढ़ एवं व्यावहारिक बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने सभी जनपदों से आए डीडीएमओ की समस्याओं, चुनौतियों और फील्ड स्तर पर आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि अधिकारियों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर विभागीय स्तर पर सकारात्मक और समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, जिससे राज्य की आपदा प्रबंधन प्रणाली को और मजबूत किया जा सके।

विनय रूहेला ने डीडीएमओ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन व्यवस्था में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी आपदा की स्थिति में डीडीएमओ फ्रंटफुट पर रहकर न केवल प्रशासन और विभिन्न लाइन विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव कार्यों का नेतृत्व भी करते हैं। उन्होंने कहा कि डीडीएमओ की सक्रियता, त्वरित निर्णय क्षमता और नेतृत्व कौशल ही आपदा के दुष्प्रभावों को कम करने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि सभी जनपदों में आपदा पूर्व तैयारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। इसके तहत संसाधनों की उपलब्धता, मानव संसाधनों का प्रशिक्षण, संचार व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही आपदा के समय सूचना तंत्र को अधिक प्रभावी बनाने, त्वरित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने और फील्ड स्तर पर मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का सख्ती से पालन करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग विनोद कुमार सुमन ने डीडीएमओ को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा रखी गई समस्याओं और सुझावों पर विभागीय स्तर पर उचित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और फील्ड स्तर के अधिकारियों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

बैठक के अंत में सभी डीडीएमओ ने इस प्रकार की समीक्षा बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि फील्ड स्तर की वास्तविक समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके और राज्य की आपदा प्रबंधन क्षमता को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इस अवसर पर डीआईजी राजकुमार नेगी, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रियान्वयन) अभिषेक कुमार आनंद, वित्त नियंत्रक मो. ओबैदुल्लाह अंसारी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सहित यूएसडीएमए के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 5.26 करोड़ की धनराशि स्वीकृत

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आंतरिक सड़कों के निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों के लिए कुल 5.26 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति प्रदान की है। इन स्वीकृतियों से स्थानीय स्तर पर आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ ही क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विधानसभा क्षेत्र लोहाघाट के गोरखा नगर में अंबेडकर भवन के निर्माण हेतु 2.84 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। इसके तहत प्रथम किश्त के रूप में 40 प्रतिशत राशि 1.14 करोड़ जारी की गई है, जिसका शासनादेश भी निर्गत कर दिया गया है। यह भवन सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ के विण क्षेत्र में रामेश्वर मंदिर (शिव धाम) से बीतडी पुल तक सीसी मार्ग एवं प्रतिधारक दीवार के निर्माण के लिए 97.25 लाख की स्वीकृति दी है। प्रथम किश्त के रूप में 60 प्रतिशत राशि 58.35 लाख जारी की गई है।

जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र सल्ट के अंतर्गत तहसील स्यालदे एवं सल्ट में 101 फीट ऊंचे तिरंगे की स्थापना हेतु 89.09 लाख स्वीकृत किए गए हैं। इसके अंतर्गत प्रथम किश्त के रूप में 60 प्रतिशत राशि 53.45 लाख जारी की गई है।

वहीं विधानसभा क्षेत्र बाजपुर के ग्राम बाजपुर गांव में आंतरिक मार्गों के 700 मीटर सीसी मार्ग निर्माण के लिए 55.57 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रथम किश्त के रूप में 60 प्रतिशत राशि 33.34 लाख जारी की गई है।

कोटद्वार में 15 से 30 जनवरी तक होगी अग्निवीर भर्ती रैली, हरिद्वार समेत 7 जनपदों के युवा करेंगे प्रतिभाग

पथ प्रवाह, पौड़ी।

कोटद्वार स्थित गब्बर सिंह कैंप में 15 से 30 जनवरी तक अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन किया जाएगा। इस भर्ती रैली में जनपद देहरादून, हरिद्वार, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली के युवा प्रतिभाग करेंगे। भर्ती रैली को सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल ने तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की।

जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने अग्निवीर भर्ती रैली के सफल आयोजन को लेकर पूर्व में सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए थे। उन्होंने भर्ती स्थल पर यातायात प्रबंधन, अभ्यर्थियों की सुविधा, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था तथा ठहराव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया था। इन्हीं निर्देशों के क्रम में गुरुवार को अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल की अध्यक्षता

में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें भर्ती आयोजन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्व में दिए गए निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि भर्ती में तैनात सभी अधिकारी और कार्मिक अपना ड्यूटी ऑर्डर अनिवार्य रूप से साथ लेकर जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि भर्ती स्थल तक पहुंचने के लिए स्पष्ट रूट निर्धारित किया जाए और उसकी जानकारी प्रमुख स्थानों पर चस्पा की जाए, ताकि भर्ती में आने वाले युवाओं को किसी प्रकार की भटकन न हो।उन्होंने परिवहन विभाग को बस अड्डों व टैक्सी स्टैंड से भर्ती स्थल तक युवाओं को पहुंचाने के लिए पर्याप्त वाहनों की व्यवस्था करने और वाहनों का शुल्क निर्धारित करने के निर्देश दिए, जिससे यातायात जाम की स्थिति से बचा जा सके। साथ ही भर्ती स्थल तक पहुंचने वाले मार्गों का सेना के साथ समन्वय कर रूट प्लान तैयार करने के निर्देश भी दिए।

नियमित सफाई व्यवस्था के निर्देश

अपर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी कोटद्वार को निर्देश दिए कि भर्ती आयोजन में ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए, ताकि किसी भी समस्या की सूचना तत्काल साझा कर समाधान किया जा सके। नगर आयुक्त कोटद्वार को भर्ती स्थल और आसपास के क्षेत्रों में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण मित्रों की तैनाती करने को कहा गया। साथ ही सेना के साथ समन्वय कर प्रकाश व्यवस्था, मोबाइल शौचालय और अलाव की व्यवस्था समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

चिकित्सक और एम्बुलेंस की रहेगी व्यवस्था

उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को भर्ती रैली के दौरान चिकित्सकों की तैनाती और एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जल संस्थान को पेयजल टैंकर, जबकि लोक निर्माण विभाग को टेंट व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। अपर जिलाधिकारी ने भर्ती में आने वाले युवाओं के लिए ठहरने की उचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा जहां-जहां बैरिकेडिंग की आवश्यकता है, वहां सेना के साथ समन्वय कर व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

उन्होंने जिला अभिहित अधिकारी को होटल, रेस्टोरेंट एवं अन्य भोजनालयों में भोजन की गुणवत्ता की जांच करने और भोजन का निर्धारित शुल्क तय कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। इस अवसर पर एसीएमओ डॉ. पारुल गोयल, जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, अभिहित अधिकारी संदीप मिश्रा सहित अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

एक नजर

अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन 2026- नई दिल्ली में 9 से 11 जनवरी तक आयोजन

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग परिषद, वैश्विक हिंदी परिवार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में तृतीय अंतरराष्ट्रीय भारतीय भाषा सम्मेलन-2026 का आयोजन 9 से 11 जनवरी 2026 तक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली में किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन करेंगे, जबकि समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

यह सम्मेलन भारतीय भाषाओं के वैश्विक प्रसार, समकालीन चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच है। इसमें ब्रिटेन, कनाडा, न्यूज़ीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, श्रीलंका, नेपाल, फ्रांस, नीदरलैंड, मॉरीशस, थाईलैंड, जापान सहित 70 से अधिक देशों के 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसके साथ ही भारत के विभिन्न राज्यों, भाषाओं और बोलियों से जुड़े 100 से अधिक प्रतिष्ठित विद्वान, साहित्यकार और भाषा-सेवी सम्मेलन की गरिमा बढ़ाएंगे।

सम्मेलन की केंद्रीय विषयवस्तु 'भारतीय भाषाएँ : युवा और प्रौद्योगिकी' रखी गई है। इसके अंतर्गत प्रवासी लेखन, विश्व में भारतीय भाषाएँ, युवा और भाषा, भाषा एवं तकनीक, अनुवाद तथा डिजिटल नवाचार जैसे विषयों पर केंद्रित लगभग 44 अकादमिक और सृजनात्मक सत्र आयोजित होंगे। सम्मेलन के दौरान लेखकों से संवाद, पुस्तक व चित्र प्रदर्शनियां, फिल्म एवं डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन, नाट्य मंचन, कवि सम्मेलन तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

तीन दिवसीय आयोजन में उद्घाटन समारोह, कला प्रदर्शनी, समानांतर अकादमिक सत्र, शोध-पत्र वाचन, प्रवासी और बहुभाषी सत्र, विश्व हिंदी दिवस व प्रवासी दिवस पर विशेष कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन तथा समापन व सम्मान समारोह शामिल हैं। 9 से 11 जनवरी तक प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक चित्र एवं पुस्तक प्रदर्शनी आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

बिजली विभाग ने कटियाबाजों पर कसा शिंकजा, 46 घरों में पकड़ी चोरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मंगलौर और झबरेड़ा क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अब तक की सबसे बड़ी संयुक्त कार्रवाई को अंजाम देकर कटियाबाजों में हड़कंप मचा दिया। एक साथ कई गांवों में की गई छापेमारी के दौरान 46 लोग रंगे हाथों बिजली चोरी करते पकड़े गए, जबकि भारी बकाया के चलते चार उपभोक्ताओं के बिजली मीटर मौके पर ही उतार दिए गए।

यूपीसीएल की संयुक्त टीम ने झबरेड़ा क्षेत्र के बेहेडकी, खाताखेड़ी, झबरेड़ी कला और खजूरी गांवों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। वहीं मंगलौर क्षेत्र के टांडा भनेड़ा, नारसन कला और मंगलौर टाउन में भी एक साथ छापेमारी की गई। अचानक हुई कार्रवाई से अवैध रूप से कटिया डालकर बिजली उपयोग करने वालों में अफरा-तफरी मच गई।

इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व झबरेड़ा एसडीओ मोहम्मद रिजवान और मंगलौर एसडीओ अनुभव सैनी ने किया।

अभियान में जेई देवेंद्र शर्मा, जमाल सिंह, अशोक कुमार, मनमोहन सहित अन्य विभागीय कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। टीम ने मौके पर ही अवैध कनेक्शन काटे और संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

मीडिया से बातचीत में एसडीओ अनुभव सैनी ने कहा कि बिजली चोरी के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा। जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन बकाया होने के कारण पहले काटे गए थे, उनकी सूची तैयार कर ली गई है। अब उनके खिलाफ आरसी काटने और दोबारा चेकिंग की कार्रवाई की जा रही है।

सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों और प्रभावी क्रियान्वयन पर कार्यशाला

पथ प्रवाह, हरिद्वार। डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विकास भवन सभागार, हरिद्वार में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कार्मिकों को आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन से अवगत कराना रहा।

कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र द्वारा किया गया। उन्होंने सेवा नियमों, कास से संबंधित नवीन तकनीकों एवं प्रशासनिक दक्षता से जुड़े विषयों पर समय-समय पर आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. महेश कुमार, संयुक्त निदेशक (प्रशासन), डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, नैनीताल तथा रागिनी तिवारी, पाठ्यक्रम निदेशक द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण की रूपरेखा से

अवगत कराया गया। तकनीकी सत्रों में डॉ. महेश कुमार एवं आरटीआई कार्यकर्ता सुरेन्द्र सिंह थापा द्वारा आरटीआई से संबंधित प्रावधानों एवं व्यावहारिक प्रकरणों पर प्रकाश डाला गया। अंतिम सत्र में विनोद प्रसाद मिश्रा, ग्राम विकास अधिकारी, लक्सर ने आरटीआई के संदर्भ में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समुचित जानकारी के महत्व पर बल दिया। जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी के रूप में वेदप्रकाश,जिला विकास अधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हंगामें के कारण दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही स्थगित

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों गुरुवार को जमकर हंगामा किया और गुरु तेग बहादुर के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा सदस्य हंगामा करने लगे और सदन के बीचोबीच आ गये। भाजपा विधायक जिस समय हंगामा कर रहे थे, उस समय आप के सदस्य सदन में नहीं थे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भाजपा विधायकों से शांत रहने की बार-बार अपील की, लेकिन भाजपा विधायकों ने उनके आग्रह को अनसुना कर दिया। भाजपा विधायक नारे लगा रहे थे कि 'गुरुओं का अपमान नहीं सहेंगे।' वे इसी के साथ शोरगुल भी कर रहे थे। भाजपा विधायक जब नारे लगा रहे थे, तभी आप के विधायक सदन में आ गये। वे हाथों में पोस्टर लिए हुए थे, जिन पर लिखा था,' कपिल मिश्रा इस्तीफा दो।' काफी कोशिश के बाद जब दोनों दलों के सदस्य शांत नहीं हुए, तो श्री गुप्ता ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी।

हर की पैड़ी क्षेत्र में अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई, 25 व्यवसायियों का सामान जब्त

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के आदेश के अनुपालन में नगर निगम हरिद्वार द्वारा प्रशासन के साथ संयुक्त रूप से हर की पैड़ी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य तीर्थ क्षेत्र की पवित्रता, सुव्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा।

संयुक्त अभियान के तहत हर की पैड़ी स्थित सभी प्रमुख घाटों एवं पुलों पर किए गए अस्थायी एवं अवैध अतिक्रमण को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन कर सार्वजनिक स्थलों पर सामान फैलाने वाले 25 व्यवसायियों का सामान जब्त किया गया। संबंधित व्यवसायियों को सख्त चेतावनी दी गई कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अभियान के दौरान नगर निगम एवं प्रशासनिक टीम ने घाटों और पुलों से अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ व्यापक साफ-सफाई भी कराई। कचरा हटाकर क्षेत्र को स्वच्छ बनाया गया, जिससे श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन एवं स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि

हर की पैड़ी जैसे अत्यंत संवेदनशील एवं धार्मिक महत्व के स्थलों पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी ऐसे अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि नगर की व्यवस्था और धार्मिक गरिमा बनी रहे।

डीएम अंशुल सिंह ने ग्रीष्मकाल से पूर्व पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ करने के दिए निर्देश

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

जनपद में पेयजल आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने, जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा आगामी ग्रीष्मकाल में संभावित जल संकट से निपटने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने पेयजल निगम, जल संस्थान एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और पेयजल योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रीष्मकाल में पेयजल की मांग में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होती है, ऐसे में पूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि अभी से ठोस कार्ययोजना तैयार कर व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए, ताकि आम जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

डीएम अंशुल सिंह ने पेयजल की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए जल स्रोतों, टंकियों एवं आपूर्ति लाइनों की नियमित जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल से संबंधित किसी भी शिकायत का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों की शीघ्र मरम्मत, वैकल्पिक जल स्रोतों की पहचान तथा टैंकर व्यवस्था को प्रभावी रखने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की तैयारियों की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पेयजल आपूर्ति से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी समयबद्ध एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एक नजर

दुगड्डा-गुमखाल मार्ग होगा दो लेन चौड़ा, 392.52 करोड़ रुपये की स्वीकृति

पथ प्रवाह, पौड़ी। जनपद पौड़ी गढ़वाल में राष्ट्रीय राजमार्ग-534 (पूर्व नाम ह॥-119) के दुगड्डा से गुमखाल तक 18.10 किमी लंबाई के मार्ग को पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन में विकसित किए जाने हेतु भारत सरकार द्वारा ?392.52 करोड़ की लागत स्वीकृत की गयु है। इस परियोजना का उद्देश्य उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के मध्य सड़क संपर्क को सुदृढ़ करना तथा क्षेत्रीय आवागमन को सुरक्षित एवं सुगम बनाना है। केंद्रीय सड़क यातायात मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि यह मार्ग कोटद्वार-लैंसडाउन-पौड़ी-श्रीनगर कॉरिडोर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो लैंसडाउन कैंटोनमेंट क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। परियोजना के पूर्ण होने से चारधाम यात्रा के दौरान वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा तथा रक्षा आवागमन एवं प्रशासनिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस परियोजना को स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने बताया कि श्रीनगर से कोटद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग-534 की लंबाई 135.47 किलोमीटर है, जिसके 18.10 किलोमीटर लंबाई के मार्ग को 2-लेन करने की स्वीकृति दी गयी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'कनेक्टिविटी से विकास' के विज़न के अनुरूप दुगड्डा-गुमखाल खंड का 2-लेन उन्नयन राज्य के दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा अंतरराज्यीय संपर्क को और अधिक मजबूत करेगा। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने परियोजना के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मार्ग के उन्नयन से क्षेत्रवासियों को सुरक्षित व सुगम यातायात सुविधा मिलेगी। इससे स्थानीय व्यापार, पर्यटन, रोजगार तथा प्रशासनिक सेवाओं की पहुंच सुदृढ़ होगी और जनपद के समग्र विकास को गति मिलेगी।

चौखुटिया को मिली स्वास्थ्य सुविधाओं की सौगात, आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री व प्रशासन का जताया आभार

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। चौखुटिया क्षेत्र की स्वास्थ्य संबंधी बहुप्रतीक्षित मांगें पूर्ण होने पर आंदोलनकारियों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। 'ऑपरेशन स्वास्थ्य' आंदोलन का नेतृत्व करने वाले भुवन कठायत एवं उनकी समस्त टीम ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत तथा जिलाधिकारी अल्मोड़ा अंशुल सिंह का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। आंदोलनकारियों ने बताया कि चौखुटिया एवं आसपास के क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग को लेकर लगभग 60 दिनों तक शांतिपूर्ण आंदोलन किया गया था। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती, डिजिटल एक्स-रे मशीन की स्थापना, उप जिला चिकित्सालय चौखुटिया के लिए शासनादेश एवं वित्तीय स्वीकृति जारी करने, आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता तथा सहयोगी स्टाफ की तैनाती जैसी प्रमुख मांगें उठाई गई थीं। मुख्यमंत्री द्वारा जनहित में इन मांगों को शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिए जाने के बाद आंदोलन को स्थगित किया गया था। वर्तमान में शासनादेश जारी होने, वित्तीय स्वीकृति मिलने, विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती तथा अन्य मांगों के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। आंदोलनकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दूरदर्शी सोच, संवेदनशील नेतृत्व और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के चलते चौखुटिया को यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सौगात प्राप्त हुई है। आंदोलनकारियों ने जिलाधिकारी अंशुल सिंह की भूमिका की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयास, प्रभावी अनुश्रवण और तत्परता से शासन स्तर पर निर्णय शीघ्र अमल में आ सके। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र का सर्वांगीण विकास आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बैरागी कैंप को मिली पेयजल की सौगात, 5.27 करोड़ के ओवरहेड टैंक का उद्घाटन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नगर निगम हरिद्वार क्षेत्र अंतर्गत बैरागी कैंप में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया। ?5 करोड़ 27 लाख की लागत से निर्मित होने वाले ओवरहेड टैंक का उद्घाटन हरिद्वार विधायक मदन कौशिक की उपस्थिति में मेयर किरण जैसल ने किया। उद्घाटन अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रशांत शर्मा, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष लता गोयल, भाजपा युवा नेता रवि जैसल सहित क्षेत्र के पार्षदगण एवं पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने इसे क्षेत्र के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। यह ओवरहेड टैंक बैरागी कैंप क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा। इसके निर्माण से क्षेत्रवासियों को नियमित और पर्याप्त स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए। जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

एडीएम की अध्यक्षता में दिया गया एक दिवसीय प्रशिक्षण

पथ प्रवाह, पौड़ी।

जिला सभागार में अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल की अध्यक्षता में चन्नरूप पोर्टल पर पॉलिगन क्रिएट किए जाने को लेकर सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मयंक शर्मा, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सचिन भट्ट, स्वान प्रभारी राजेश कोहली एवं जीआईसी सेल अधिकारी किरण लमगढ़िया द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ने UGAMS ऐप को सुचारु एवं सुविधाजनक रूप से उपयोग करने से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया। वहीं जीआईसी सेल अधिकारी ने ऐप के माध्यम से पॉलिगन निर्माण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी साझा की। ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर ने ऐप आधारित कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के उपाय बताए, जबकि स्वान प्रभारी ने एनआईसी टीम के साथ मिलकर तकनीकी सहयोग प्रदान किया। कार्यशाला का उद्देश्य चन्नरूप पोर्टल के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करते हुए विभागीय कार्यों में तकनीकी दक्षता बढ़ाना रहा।

जनसेवा की पहल रंग लायी, पीपली में सुलझीं ग्रामीणों की समस्याएं

पथ प्रवाह, पौड़ी।

राज्य सरकार की पहल पर जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड पाबौ की न्याय पंचायत पीपली में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता डीएफओ गढ़वाल महातिम यादव ने की। शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गयी।

डीएफओ गढ़वाल ने कहा कि ऐसे शिविर प्रशासन और ग्रामीणों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं को गांव स्तर पर सुनकर उनका समाधान करना ही इस अभियान की मूल भावना है। डीएफओ ने यह भी कहा कि योजनाओं का लाभ तभी सार्थक है, जब वह अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

शिविर के दौरान डीएफओ ने विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण के साथ-साथ लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक भी किया जाए। ग्रामीणों ने शिविर को उपयोगी बताते हुए राज्य सरकार की इस पहल की सराहना की।

शिविर में कुल 29 शिकायतें दर्ज की गयीं, जिनमें से 12 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। वहीं 108 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। स्वास्थ्य, समाज कल्याण, बाल विकास, वन, राजस्व, कृषि, उद्यान, आयुर्वेदिक एवं यूनानी सहित विभिन्न विभागों ने शिविर में स्टॉल लगाए। विभागीय अधिकारियों ने न केवल योजनाओं की जानकारी दी, बल्कि पात्र लोगों की औपचारिकताएं भी मौके पर पूरी की।

इस अवसर पर ज्येष्ठ उप प्रमुख राजपाल गुसाईं, नोडल अधिकारी शिविर एवं अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई मुकेश दत्त, खंड विकास अधिकारी हरेंद्र कोली, एडीओ पंचायत मदन मोहन पहाड़ी, सहायक समाज कल्याण अधिकारी प्रिया उपाध्याय, डीपीओ संजीव काला सहित अन्य अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उम्टा के बहुउद्देशीय शिविर में 225 लोगों को मिला योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, पौड़ी।

नैनीडांडा विकासखंड की न्याय पंचायत उम्टा में जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी धुमाकोट श्रेष्ठ गुनसोला ने की। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज करायी।

शिविर के दौरान कुल 6 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। वहीं 225 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य, समाज कल्याण, बाल विकास, वन, राजस्व, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, कृषि, उद्यान सहित कुल 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही आवेदन, पंजीकरण और अन्य औपचारिकताएं भी मौके पर पूरी की।

उपजिलाधिकारी ने शिविर में मौजूद लोगों की समस्याएं सुनीं और विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि इन शिविरों से आमजन को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और उनकी समस्याओं का समाधान गांव स्तर पर ही हो। इस अवसर पर नोडल अधिकारी शिविर एवं अधिशासी अभियंता लोनिवि लोकेश सारस्वत, खंड विकास अधिकारी प्रमोद चंद पांडे, तहसीलदार कुंदन सिंह नयाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मेहनत और शिक्षा ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है: जिलाधिकारी मयूर दीक्षित

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अगर जीवन में आगे बढ़ना है और कुछ अलग पहचान बनानी है, तो मन लगाकर पढ़ाई करना सबसे जरूरी है। मेहनत और निरंतर प्रयास से ही लक्ष्य हासिल होते हैं। यह प्रेरक संदेश जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित ने कनखल क्षेत्र के अजीतपुर भगवती पुरम स्थित पाठशाला में बच्चों को संबोधित करते हुए दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि उन्होंने भी कठिन परिश्रम और लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है और सीखने की प्रक्रिया जीवनभर चलती रहती है। सत्यम हेल्प फाउंडेशन द्वारा संचालित इस निःशुल्क पाठशाला में पहुंचकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और शिक्षा के महत्व को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने बच्चों को लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही बच्चों से सरकारी शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र समाधान का भरोसा भी दिलाया।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी जीवन का अहम हिस्सा है। खेल से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक विकास भी होता है, जिससे पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है। उन्होंने बच्चों को स्वच्छता का संदेश देते हुए अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सत्यम हेल्प फाउंडेशन की ओर से बच्चों को ट्रैक सूट वितरित किए और संस्था द्वारा समाज के वंचित वर्ग के बच्चों के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। फाउंडेशन के संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार अरुण कश्यप ने बताया कि इस पाठशाला में लगभग 80 बच्चे तीन बैचों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यहां निःशुल्क शिक्षा के साथ-साथ हर शनिवार बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए खेलकूद गतिविधियां भी कराई जाती हैं। कार्यक्रम में पाठशाला स्टाफ से शीतल टंडन, आशा, खुशी कश्यप, वैभव भाटिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पेट्रोल पंपों पर किया जाए अनिवार्य, बिना हलमेट दो पहिया वाहनों न मिले पेट्रोल: नरेश बंसल

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राज्य सभा सांसद डॉ नरेश बंसल ने कहा कि जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। यातायात के नियमों का सख्ती के साथ पालन कराया जाए। कहा कि सड़क हादसों में जनहानि न हो इस पर फोकस करते हुए हर संभव कदम उठाए जाए और प्रभावी योजनाएं तैयार की जाए।

सड़क दुर्घटनाओ को नियंत्रित करने के लिए सांसद राज्य सभा डॉ. नरेश बंसल की अध्यक्षता में गुरूवार को जिला कार्यालय सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सभा सांसद ने परिवहन, पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओ को कम करने के लिए जनपद में संचालित हो रहे सभी पेट्रोल पंपों पर यह अनिवार्य किया जाए कि बिना हेलमेट के दुपहिया वाहन चालकों को किसी भी दशा में पेट्रोल उपलब्ध न किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सभी से नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए एवं सभी स्कूलों एवं कॉलेजों में भी सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी उपलब्ध कराई जाए साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि एनसीसी एवं एनएसएस के छात्रों को ट्रैफिक कंट्रोल के लिए उन्हें प्रशिक्षित किया जाए जिससे कि ओर लोगों को भी ट्रैफिक नियमों की जानकारी दे सके। उन्होंने शराब पीकर वाहन चलाने वाले एवं ओवरस्पीड, ओवरलोडिंग वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जनपद में जो भी ब्लैक स्पॉट है उन्हें तत्काल दूरस्त किया जाए साथ ही दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में साइन बोर्ड,क्रॉस बैरियर,रिफ्लेक्टर स्टीकर लगाने के निर्देश दिए एवं प्रेशर हॉर्न वाले के विरुद्ध भी सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि स्कूल कॉलेज के समय पर भारी वाहन संचालित न किया जाए।

कैलेंडर का किया विमोचन

इस अवसर पर परिवहन विभाग द्वारा जारी किए गए रोड सेफ्टी कैलेंडर का विमोचन किया गया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा नियमों की शपथ भी दिलाई गई। जनपद आगमन पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने राज्य सभा सांसद को पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया,उन्होंने राज्य सभा सांसद को आश्वस्त किया है कि बैठक में उनके द्वारा जो भी दिशा निर्देश दिए गए है,उनका संबंधित अधिकारियों से अनुपालन सुनाश्चित कराया जाएगा।

21900 चालकों के नो हेलमेट के चालान

बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी नेहा झा ने अवगत कराया है कि परिवहन विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा वर्ष 2025 में 21900 बिना हेलमेट के चलन किए गए,नियमों का पालन न करने वाले 4288 वाहन सीज किए गए,ओवर स्पीड के 9536 वाहन चालकों के चालान किए गए,ओवर लोडिंग के 2317 वाहन चालकों के चालान किए गए तथा मोबाइल पर बात करने वाले 947 वाहन चालकों के चालान किए गए तथा शीट बेल्ट न लगाने वाले 5809 वाहन चालकों के चालान किए गए एवं शराब पीकर 56 वाहन चालकों के चालान किए गए ।

वालंटियरों को किया सम्मानित

बैठक के दौरान वर्ष 2025 में दुर्घटनाओ में घायल हुए व्यक्तियों की सहायता करने वाले 07 वालंटियर को सांसद द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर प्रसाहित किया गया। जिसमें नरेश चौधरी, विशाल कुमार, धर्मेंद्र, अंकित, मनोज नौटियाल,,मनीष एवं आशु जैन आदि शामिल रहे। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। बैठक के पश्चात सांसद राज्य सभा ने सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जागरूकता वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ,जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, जिला महामंत्री संजीव चौधरी,विशाल गर्ग, सीओ ट्रैफिक संजय चौहान, मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, अधीक्षण अभियंता लोनिवि डीके सिंह, पीडब्लूडी अधिशासी अभियंता दीपक कुमार, एआरटीओ निखिल शर्मा, एआरटीओ कृष्ण चंद्र पलारिया, एआरटीओ एल्विन रॉक्सी, अधिशासी अभियंता एनएचएआई अतुल शर्मा, सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

पुलिस लाइन हरिद्वार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 106 पुलिसकर्मियों व परिजनों को मिला लाभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

'स्वस्थ पुलिस, सुरक्षित समाज' के संकल्प को साकार करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार की पहल पर पुलिस लाइन हरिद्वार में एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर कैलाश हॉस्पिटल, देहरादून के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शिविर के दौरान कुल 106 पुलिसकर्मियों एवं उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ब्लड प्रेशर, शुगर और ईसीजी जैसी आवश्यक जांचें निःशुल्क की गईं, जिससे समय रहते कई लोगों की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन संभव हो सका। कैलाश हॉस्पिटल से आए डॉ. निगम (जनरल फिजिशियन), डॉ. रिया (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. यज्ञ (हृदय रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. पायल (आहार विशेषज्ञ) ने मरीजों को परामर्श दिया। इस अवसर पर चिकित्सा स्टाफ ने भी सहयोग प्रदान किया। हृदय रोग विशेषज्ञ ने सर्दियों के मौसम में संतुलित आहार, कम तेल-घी के सेवन और गर्म पानी पीने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि सही खान-पान और सतर्कता से हृदय रोगों सहित मौसमी बीमारियों से बचाव संभव है। शिविर में पुलिस लाइन के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान में दिखने लगी जागरूकता, खुद हाथों में झाड़ू थाम रही जनता

पथ प्रवाह, हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार को स्वच्छ, स्वच्छ एव सुंदर बनाए जाने के लिए जनता में जागरूकता दिखायी दे रही है। जनता इस अभियान में अपनी सहभागिता दिखाते हुए आगे आ रही है। जिसके चलते यह अभियान तेज गति से परवान चढ़ता नजर आ रहा है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत सभी जनपदवासियों से इस अभियान में पूर्ण सहयोग करने की अपील की गई है। गुरूवार को बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया है कि बीएचईएल क्षेत्रांतर्गत पीएससी गेट के पास सेक्टर 03, हर्बल पार्क सेक्टर 03 तक एवं खोखा मार्केट के पास सेक्टर 01 भेल टाउनशिप प्रशासन विभाग द्वारा साफ सफाई अभियान चलाया गया। जिला पंचायत अधिकारी ने अवगत कराया है कि ग्राम पंचायतों में भी सफाई अभियान चलाया गया,जिसमें गाजीवाली,ग्राम पंचायत अखबरपुर उद,ग्राम पंचायत कोटा मुरादनगर, मानकपुर आदमपुर,बेहदकी शाहादाबाद आदि ग्राम पंचायतों में सफाई अभियान चलाया गया। अधिशासी अभियंता एनएचएआई अतुल शर्मा ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग भूपतवाला क्षेत्रांतर्गत सड़क किनारे चलाया गया सफाई अभियान। अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग सुरेश तोमर ने अवगत कराया है कि प्रल्हादपुर क्षेत्रांतर्गत सफाई अभियान के साथ ही सड़क किनारे बिना अनुमति के लगे होर्डिंग एवं यूनीपोल को हटाया गया ।खंड विकास अधिकारी बहादराबाद ने अवगत कराया है कि विकास खंड बहादराबाद में बारात घर अजीतपुर एवं शाहपुर शीतलखेड़ा में स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा श्री शिवा मंदिर में सफाई अभियान चलाया गया । खंड विकास अधिकारी लक्सर ने अवगत कराया है कि लक्सर क्षेत्रांतर्गत साफ अभियान चलाया गया एवं नलियों की भी सफाई की गई। खंड विकास अधिकारी भगवानपुर ने अवगत कराया है कि भगवानपुर क्षेत्रांतर्गत साफ अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी खानपुर ने अवगत कराया है कि भगवानपुर क्षेत्रांतर्गत तुगलकपुर, मड़बेला, चंद्रपुरी खादर, चंद्रपुरी बांगर में साफ अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी नारसन ने अवगत कराया है कि नारसन क्षेत्रांतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में साफ अभियान चलाया गया। खंड विकास अधिकारी नारसन ने अवगत कराए है कि आज ब्लॉक नारसन के अंतर्गत 03 महिला समूह जिसमें अंबेडकर समूह, लक्ष्मी समूह,आशा समूह द्वारा एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com